Title: Need to encourage small and cottage industries to solve the Unemployment problem in the country - Laid.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, आज देश में आर्थिक मंदी एक गंभीर समस्या है। देश में आवश्यकता से अधिक अनाज का भंडार उत्पादक, उपभोक्ता और सरकार सभी के लिए संकट बन गया है। औद्योगिक उत्पादन के विकास की दर गत माहों में दो प्रतिशत से कम पर आकर अटक गई है। लोगों की क्रय शक्ति कम होने का परिणाम देश को भुगतना पड़ रहा है। पिछले सालों में जो बढ़ोत्तरी की दर वार्षिक 6.3 प्रतिशत रही है, वह बीते वर्ा मात्र 3.5 प्रतिशत रह गई। सभी लोग मानते हैं कि देश के पारम्परिक लघु एवं कुटीर उद्योंगों में अधिकतम लोगों को रोजगार देने की क्षमता है और आज हमारे लघु उद्योग ही हालत यह है कि उनमें 29 प्रतिशत रुग्णता आ गई है। विश्व व्यापार संगठन के करारों के तहत हमने आयात से सभी प्रतिबंध हटाए हैं। उसका परिणाम यह हुआ है कि सस्ते आयात ने हमारे देश के उद्योगों को रुग्णता का शिकार बनाना शुरु कर दिया है और देश में बेरोजगारी बढ़ रही है।

मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि प्रति व्यक्ति क्रय शक्ति को बढ़ाने के उपाय किए जायें, लोगों को रोजगार उपलब्ध कराए जाने हेतु पारम्परिक लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे अधिकतम लोगों को रोजगार मिल सके।